राष्ट्रीय वस्त्र निगम की मिलों के पास उपलब्ध अतिरिक्त भूमि

1217. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सही है कि राष्ट्रीय वस्त्र निगम के अधीन 109 वस्त्र मिलों के पास अतिरिक्त भूमि मौजूद है ;

(ख) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं और दिसम्बर, 1994 के अंत तक देश के किस-किस राज्य में वस्त्र मिलों के पास कितनी-कितनी अतिरिक्त भूमि विद्यमान थी, तथा ऐसी मिलों की संख्या कितनी है और इस प्रकार की कुल कितनी भूमि उपलब्ध है ;

(ग) क्या सरकार ने ऐसी भूमि के वास्तविक मूल्य का आकलन करने के लिए राष्ट्रीय स्तर पर कोई सर्वेक्षण कराया है ;

(घ) यदि हां, तो किस-किस राज्य में वस्त्र मिलों के पास अतिरिक्त भूमि है और प्रत्येक राज्य में ऐसी भूमि का मूल्य कितना-कितना है ; और

(ङ) क्या सरकार ऐसी भूमि को बेचकर प्राप्त राशि से राष्ट्रीय वस्त्र निगम के तहत आने वाली वस्त्र मिलों के आधुनिकीकरण हेतु बनायी गयी 2005 करोड़ रु० की योजना को कार्यान्वित करने का विचार रखती है ; यदि हां तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी : (क) से (ङ) विभिन्न राज्यों में एन टी सी के 9 सहायक निगमों के पास बेशी भूमि उपलब्ध है। अलग अलग मिल की बेशी भूमि का क्षेत्र भिन्न है तथा यह विभिन्न मिलों में उपलब्ध है। श्रम मंत्रालय की एन टी सी विषय विशेष त्रिपक्षीय समिति ने अन्य बातों के साथ-साथ यह सिफारिश की है कि एन टी सी मिलों के साथ-साथ अधिग्रहित मिलों को वस्त्र अनुसंधान संघों द्वारा दिए गए प्रस्ताव अनुसार आधुनिकीकरण द्वारा अर्थक्षम बनाया जा सकता है तथा एन टी सी मिलों की बेशी भूमि तथा अन्य परिसंपदाओं को बेचा जा सकता है तथा उससे प्राप्त होने वाली आय को प्रबंधकों द्वारा आधुनिकीकरण, कार्यशील पूंजी आदि के लिए प्रयोग में लाया जा सकता है। सरकार एन टी सी के सर्वांगीण सुधार की योजना की जांच कर रही है। अभी तक कोई निर्णय नहीं लिया गया है। चूंकि एन टी सी के 9 में से 8 सहायक निगमों के मामले बी आई एफ आर को भेजे गए हैं इसलिए सरकार जो भी योजना बनाएगी उसके क्रियान्वयन से पहले उस पर बी आई एफ आर की सहमति प्राप्त करनी अपेक्षित होगी ।

कपास भंडारण पर प्रतिबंध

1218. श्रीमती सुषमा स्वराज :
श्री राम जेठमलानी :

क्या वस्त्र मंत्री यह बताने की कृपा करेंगे कि :

(क) क्या यह सच है कि देश में सूती धागे की गत कई महीनों से निरंतर बढ रही कीमतों को नियंत्रित करने के लिए कपास के भंडारण की मात्रा पर दिसम्बर, 94 माह में कतिपय प्रतिबंध लगाये थे ;

(ख) यदि हां, तो क्या यह भी सच है कि दिसम्बर, 94 में लगाये गये प्रतिबंध फरवरी, 95 में उठा लिए गए थे ;

(ग) यदि हां, तो क्या-क्या प्रतिबंध लगाये गए थे और क्या इन प्रतिबंधों के कारण देश में कपास और सूती धागों की कीमतों में कमी आयी थी ;

(घ) यदि हां, तो दिसंबर, 1994 के प्रथम सप्ताह में हथकरघा उद्योग द्वारा प्रयुक्त सूती धागे की विभिन्न किस्मों के मूल्य क्या-क्या थे और इन्हीं किस्म के धागों के मूल्य फरवरी, 1995 के अंत में क्या-क्या थे ;

(ङ) क्या यह सच है कि उपर्युक्त अवधि के दौरान कपास की विभिन्न किस्मों की कीमतों में वृद्धि हुई है ; और

(घ) यदि हां, तो इस संबंध में तथ्य क्या हैं ?

वस्त्र मंत्री (श्री जी० वेंकट स्वामी) : (क) जी हां ।

(ख) जी हां ।

(ग) दिनांक 8-12-94 को सरकार ने गिनिंग प्रेशिंग, कपास गिनिंग तथा प्रेसिंग फैक्टरियों की वस्त्र मिलों द्वारा रखी जाने वाली कपास पर स्टाक सीमा लगाई थी । ऐसा कपास की जमाखोरी को रोकने के लिए किया गया था । जबकि दिम्बर, 94 से जनवरी, 95 तक कपास तथा सूती यार्न की कीमतों में वृद्धि हुई, इनमें जनवरी से फरवरी, 95 तक स्थिर प्रवृति देखी गई ।

(घ) उपरोक्त (ग) को देखते हुए प्रश्न नहीं उठता ।

(ङ) तथा (च) जब कि दिसम्बर, 1994 से जनवरी, 95 तक लघु, मध्यम तथा बड़े स्टेपल सहित कपास की विभिन्न किस्मों की कीमतों में वृद्धि हुई, इनमें जनवरी से फरवरी 1995 तक कमी की प्रवृति देखी गई ।

Export of Textiles

1219. SHRI CHIMANBHAI MEHTA:
SHRI SARADA MOHANTY:

Will the Minister of TEXTILES be pleased to state:

(a) what is the estimated export of textiles during the current year jard how it compares with the last 3 years performance;

(b) what are the envisaged benefits due to GATT for textiles exports and actual accrual therefrom;

(c) what are the reasons for the increase in textiles exports;

(d) the details of the items of textiles exported in the current year indicating the monetary earnings for each item;

(e) what s the component of polys-ter and viscose in overall textile exports; and

(f) what is the position of international competition vis-a-vis Indian exports?

THE MINISTER OF TEXTILES (SHRI G, VENKAT SWAMY): (a) Exports of textiles during the test three years and estimated exports during the current year are given below: —

	In US Million Dollars
1991-92	5796.84
1992-93	6599.62
1993-94	7973.91
1994-95 (April—Jan)	8073.85

(b) The agreement in Textiles and Clothing (ATC) included in the final Act of the Uruguay Round, envisages complete integration of the textile sector into the multilateral framework of GATT/WTO at the end of a 10 year transition period. The 10 year transition period is divided into 3 stages of 3 years, 4 years and 3 years respectively. At the commencement of each of these 3 stages, products accounting for 16 per cent, 17 per cent and 18 per cent respectively will stand integrated into the GATT. The remaining 49 per cent will be integrated at the end of the 10 years transition period'. Existing growth rates for products subject to quota restriction would be increased by 16 per cent, 25 per cent and 27 per cent respectivelj' at the beginning of the first, second and third stages respectively.

By virtue of these provisions of the ATC, all textile exporting countries would get greater access, in stages, in the markets of the importing